

लाज रखो दीनानाथ | by Sumitra Banerjee

बड़े नाज़ुक हैं मेरे हालात कन्हैया मेरी लाज रखना
कहलाते हो तुम दीनानाथ कन्हैया मेरी लाज रखना
कन्हैया मेरी लाज रखना

हमको ठगा है अपनों ने ही लूट लिया है सपनों ने ही
मेरी कुछ भी नहीं है औकात कन्हैया मेरी लाज रखना
कन्हैया मेरी लाज रखना

उलझन भी अब बढ़ती जाए हालत भी अब बिगड़ती जाए
मेरे बस में नहीं है अब ये बात कन्हैया मेरी लाज रखना
कन्हैया मेरी लाज रखना

मेरी बिगड़ी बात बना दो खुशियों से जीवन महका दो
चाहूँ इतनी सी बस सौगात कन्हैया मेरी लाज रखना
कन्हैया मेरी लाज रखना

है अनमोल ये लाज का गहना इसके बिना बेकार है जीना
मोहित दिल के हैं ये जज्बात कन्हैया मेरी लाज रखना
कन्हैया मेरी लाज रखना

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c-%e0%a4%b0%e0%a4%96%e0%a5%8b-%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-by-sumitra-banerjee/>